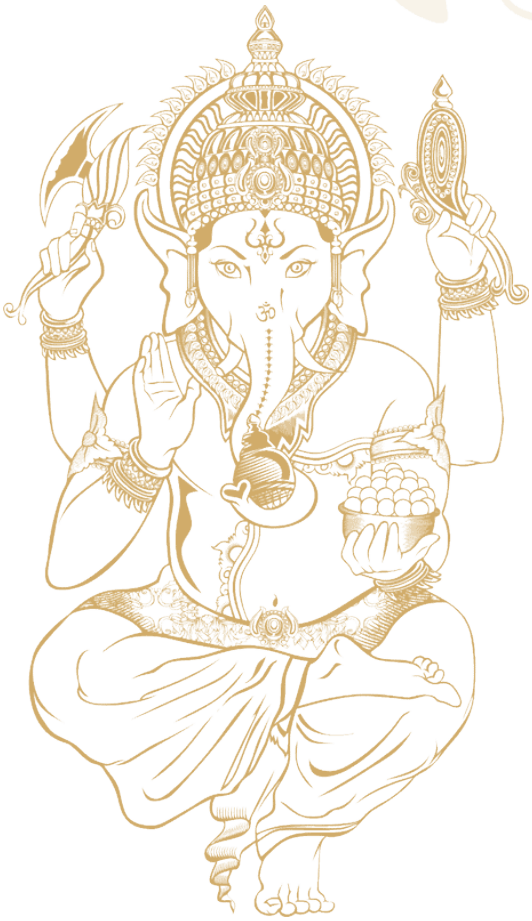

Yashodhan Ravindra

Kritica

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119191601

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119191601 Date: 23/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
29/11/1996	जन्म तिथि	22/01/1997
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:48:00	जन्म समय	10:47:00 घंटे
घटी 14:56:37	जन्म समय(घटी)	09:03:08 घटी
India	देश	India
Pune	स्थान	Karnal
18:34:00 उत्तर	अक्षांश	29:41:00 उत्तर
73:58:00 पूर्व	रेखांश	76:59:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:08	स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:49:21	सूर्योदय	07:16:43
17:55:46	सूर्यास्त	17:50:54
23:48:51	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:59
कुम्भ	लग्न	मीन
शनि	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कर्क	राशि	मिथुन
चन्द्र	राशि-स्वामी	बुध
पुनर्वसु	नक्षत्र	पुनर्वसु
गुरु	नक्षत्र स्वामी	गुरु
4	चरण	1
शुक्ल	योग	विष्कुम्भ
बालव	करण	वणिज
ही-हीरा	जन्म नामाक्षर	के-केसरी
धनु	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ
विप्र	वर्ण	शूद्र
जलचर	वश्य	मानव
मार्जार	योनि	मार्जार
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	मार्जार

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 2वर्ष 8मा 15दि		13:24:00	कुंभ	लग्न	मीन	17:28:52	गुरु 12वर्ष 6मा 24दि	
बुध		13:32:21	वृश्चि	सूर्य	मक	08:24:44	शनि	
15/08/2018		01:04:35	कर्क	चंद्र	मिथु	22:51:37	17/08/2009	
15/08/2035		21:50:01	सिंह	मंगल	कन्या	10:50:02	17/08/2028	
बुध	11/01/2021	28:26:51	वृश्चि	बुध	धनु	14:00:56	शनि	20/08/2012
केतु	08/01/2022	24:10:20	धनु	गुरु	मक	06:19:17	बुध	30/04/2015
शुक्र	08/11/2024	13:53:47	तुला	शुक्र	धनु	21:11:54	केतु	08/06/2016
सूर्य	14/09/2025	06:48:40	मीन व	शनि	मीन	08:55:41	शुक्र	09/08/2019
चन्द्र	14/02/2027	12:00:01	कन्या व	राहु व	कन्या	06:39:53	सूर्य	21/07/2020
मंगल	11/02/2028	12:00:01	मीन व	केतु व	मीन	06:39:53	चन्द्र	19/02/2022
राहु	30/08/2030	07:52:17	मक	हर्ष	मक	10:40:19	मंगल	31/03/2023
गुरु	05/12/2032	01:56:24	मक	नेप	मक	03:48:40	राहु	04/02/2026
शनि	15/08/2035	09:21:04	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:11:52	गुरु	17/08/2028

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:48:51 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:59

लग्न-चलित

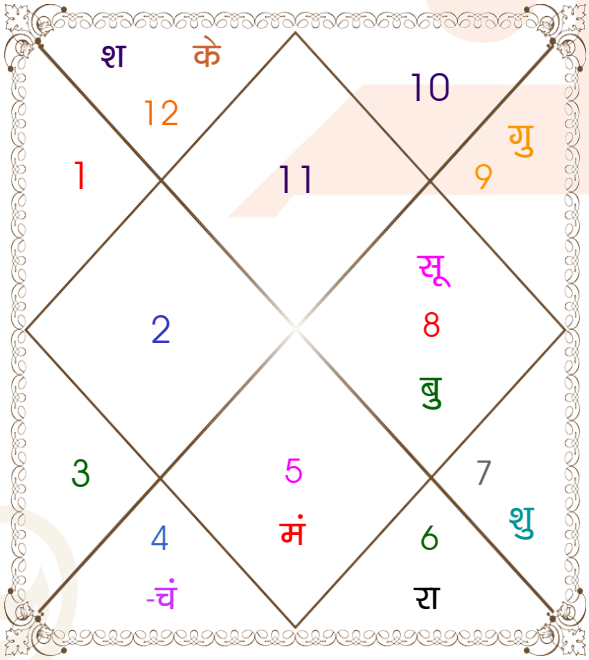

लग्न-चलित

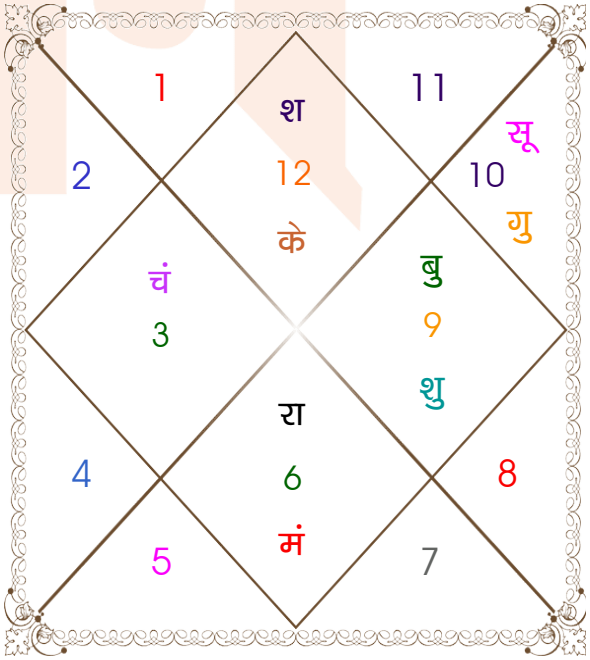

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मार्जार	मार्जार	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	बुध	5	1.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	16.00		

कुल : **16 / 36**

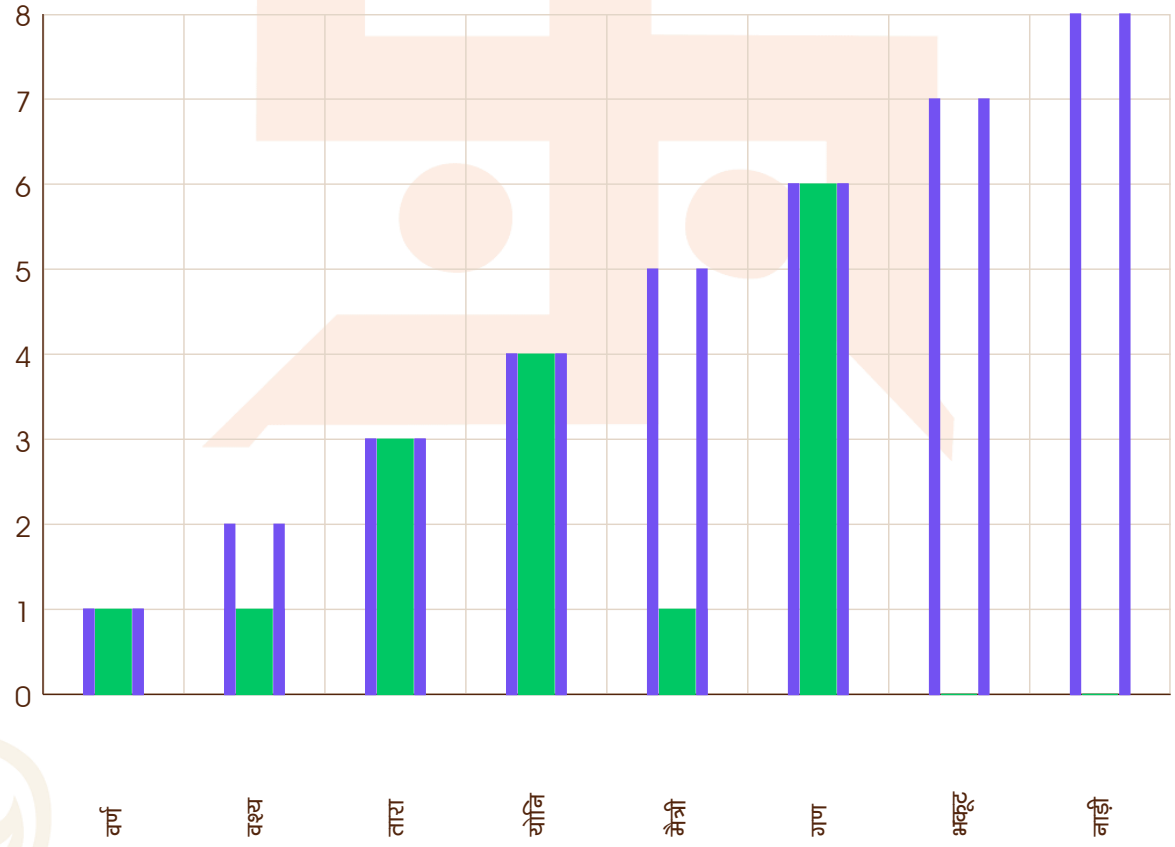

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एक है तथा चरण भिन्न-2 है।

Yashodhan Ravindra का वर्ग मेष है तथा ज्ञतपजपबं का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Yashodhan Ravindra मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Yashodhan Ravindra कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ज्ञतपजपबं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं राहु ज्ञतपजपबं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ज्ञतपजपबं कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।

तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ज्ञतपजपबं कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Yashodhan Ravindra तथा ज्ञतपजपबं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Yashodhan Ravindra का वर्ण ब्राह्मण तथा ज्ञतपजपबं का वर्ण शूद्र है। अतः यह मिलान अति उत्तम है। ज्ञतपजपबं सभी को मान एवं प्रतिष्ठा देती है तथा सेवा करती रहेंगी। साथ ही वह सबकी अपेक्षाओं को पूरा करती रहेंगी तथा किसी के भी साथ तर्क-वितर्क नहीं करेंगी। ज्ञतपजपबं एक नर्स की भाँति अपने पति एवं बच्चों की सेवा एवं तिमारदारी करती रहेंगी।

वश्य

Yashodhan Ravindra का वश्य जलचर है एवं ज्ञतपजपबं का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है। जिसके कारण यह मिलान मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जलचर कभी भी मनुष्य के ऊपर नियंत्रण स्थापित नहीं कर सकता। इसके विपरीत, मनुष्य या तो जलचरों पर नियंत्रण कर लेता है अथवा उसे समाप्त कर देता है अथवा उसका भक्षण कर लेता है अथवा उससे दूर भागता है। अतः यदि इन दोनों बीच विवाह सम्पन्न होता है तो यह अनुकूल नहीं रहेगा। इस स्थिति में ज्ञतपजपबं अति हावी होती रहेगी तथा हमेशा अपने पति को गुलाम समझती रहेगी तथा चाहेगी कि Yashodhan Ravindra उसकी आज्ञा का पालन करे। इससे घर की शांति भंग होगी तथा प्रगति एवं समृद्धि पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

तारा

Yashodhan Ravindra की तारा जन्म तथा ज्ञतपजपबं की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

Yashodhan Ravindra की योनि मार्जार है तथा ज्ञतपजपबं की योनि भी मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान ही है। दोनों योनि के बीच परस्पर मित्रता का संबंध है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों के बीच अगाध प्रेम होगा। दोनों हमेशा एक दूसरे को समय-समय पर अपना सहयोग देते रहेंगे जिससे इनका पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन अत्यंत सौहार्द्र एवं प्रेमपूर्वक बीतेगा। सोच एवं समझदारी में समानता होने के कारण परस्पर वैचारिक मतभेद नहीं रहेंगे। इस प्रकार आपसी विश्वास रहने के कारण आपका वैवाहिक जीवन अच्छा रहेगा। आप दोनों पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन में शांति का अनुभव करेंगे। मन में हर्षोल्लास की भावना बनी रहेगी। साथ ही परिवार में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। धन का आगमन समय-समय पर होता रहेगा। जिसके कारण आप सुखी पारिवारिक एवं वैवाहिक जीवन व्यतीत करेंगे। दोनों आपसी समझबूझ के साथ जीवन में आने वाली किसी भी समस्या

का समधान शीघ्र ही निकाल पाने में सक्षम होंगे। जिसके कारण इनका पारिवारिक जीवन अत्याधिक समृद्धिशाली रहेगा। इस प्रकार इनका वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन सुखी होगा एवं प्रगति के मार्ग प्रशस्त होंगे।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Yashodhan Ravindra से ज्ञतपजपबं का राशि स्वामी मित्र है। परन्तु ज्ञतपजपबं से Yashodhan Ravindra का राशि स्वामी शत्रु है अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। इनके कुंडली मिलान में Yashodhan Ravindra का राशि स्वामी ज्ञतपजपबं के राशि स्वामी को मित्र समझता है इसलिये ऐसी स्थिति में Yashodhan Ravindra तो ज्ञतपजपबं को खूब प्यार करने वाले तथा ख्याल रखने वाले होंगे किंतु दूसरी ओर ज्ञतपजपबं उग्र, अविश्वासी एवं धोखेबाज हो सकती है जिसके कारण वह अपने पति से झगड़ा करने का कोई मौका नहीं गंवायेंगी तथा परिवार में अक्सर तनाव की स्थिति बनी रहेगी।

गण

Yashodhan Ravindra का गण देव तथा ज्ञतपजपबं का गण भी देव है। अर्थात दोनों का गण समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं संवेदनशील स्वभाव के होंगे। साथ ही दोनों एक-दूसरे के अति अनुकूल होंगे तथा एक-दूसरे का काफी ख्याल रखने वाले होंगे। ऐसी स्थिति में वैवाहिक संबंध के उपरांत शांति, सुख, खुशहाली एवं समृद्धि हमेशा कदम चूमती रहेगी।

भकूट

Yashodhan Ravindra से ज्ञतपजपबं की राशि द्वादश भाव में स्थित है ज्ञतपजपबं से Yashodhan Ravindra की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Yashodhan Ravindra परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु ज्ञतपजपबं का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। ज्ञतपजपबं की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही ज्ञतपजपबं तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

नाड़ी

Yashodhan Ravindra की नाड़ी आद्य है तथा ज्ञतपजपबं की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Yashodhan Ravindra एवं ज्ञतपजपबं दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति

जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

Pandit Srinivas Srimali, Pandit Jitendra Srimali
No. 130, Mint Street, 3rd floor, Sowcarpet, chennai - 600079
9884182821, 9841085352
Jksrimali27@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Yashodhan Ravindra की जन्मराशि जलतत्व युक्त कर्क तथा ज्ञतपजपबं की राशि वायुतत्व युक्त मिथुन है। नैसर्गिक रूप से जल तथा वायुतत्व में विषमता तथा शत्रुता का भाव विद्यमान रहता है। अतः Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं के मध्य मतभेद तथा विषमताएं स्वाभाविक रूप से रहेंगी। अतः इनका मिलान उत्तम नहीं होगा।

Yashodhan Ravindra की राशि का स्वामी चन्द्रमा तथा ज्ञतपजपबं की राशि का स्वामी बुध परस्पर मित्र एवं शत्रुभाव में स्थित हैं। अतः Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं के मध्य समानता की अपेक्षा विषमता एवं मतभेद ही अधिक मात्रा में रहेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन विशेष सुखी नही रहेगा। Yashodhan Ravindra एक धैर्यवान तथा बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा ज्ञतपजपबं का स्वभाव आलसी रहेगा साथ ही Yashodhan Ravindra को बच्चे प्रिय रहेंगे ज्ञतपजपबं मित्रों के मध्य आनन्दानुभूति प्राप्त करेंगी। अतः उपरोक्त विषमताओं के कारण इनके वैवाहिक जीवन में शान्ति का अभाव रहेगा। Yashodhan Ravindra एवं ज्ञतपजपबं की राशियाँ परस्पर द्वादश एवं द्वितीय भाव में पड़ती हैं। यह एक प्रबल भकूट दोष है। इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर भी असमानताएँ होंगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग एवं आकर्षण का अभाव रहेगा। साथ ही परस्पर स्वार्थ की भावना में भी लिप्त रहेंगे फलतः समय समय पर एक दूसरे से अनावश्यक विवाद उत्पन्न होंगे तथा गुणों की अपेक्षा एवं कमियों पर विशेष ध्यान देकर दाम्पत्य जीवन में कटुता का भाव बना रहेगा।

Yashodhan Ravindra का वश्य जलचर एवं ज्ञतपजपबं का वश्य मानव है। इन दोनों वश्यों में शत्रुता एवं असमानता होने के कारण अभिरूचियों में भिन्नता रहेगी। साथ ही शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताओं में विषमता रहेगी तथा कामभावनाओं में भी एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे।

Yashodhan Ravindra का वर्ण ब्राह्मण तथा ज्ञतपजपबं का वर्ण शूद्र है। इसके प्रभाव से इनकी कार्य क्षमता में भी अन्तर रहेगा। Yashodhan Ravindra शैक्षिणक कार्यो तथा धार्मिक कार्यों के प्रति इच्छुक होंगे लेकिन ज्ञतपजपबं किसी भी कार्य को परिश्रम एवं ईमानदारी से सम्पन्न करेंगी।

धन

Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं दोनों का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनका आर्थिक स्तर उन्नत रहेगा तथा जीवन में धन धान्य एवं ऐश्वर्य से युक्त रहेंगे। इनकी एक दूसरे की राशि द्वितीय एवं द्वादश में होने के कारण भकूट दोष रहेगा लेकिन मंगल का आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव न होने के कारण इनकी आर्थिक सुदृढ़ता तथा सम्पन्नता बनी रहेगी। साथ ही जीवन में भौतिक सुख संसाधनों से युक्त रहकर उनका उपभोग करेंगे।

तथापि भकूट दोष के कारण Yashodhan Ravindra की प्रवृति व्ययशील होगी लेकिन मंगल के दुष्प्रभाव न होने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा किसी विशेष अवसर पर भी आर्थिक न्यूनता नहीं आएगी। Yashodhan Ravindra को पैतृक सम्पति की भी प्राप्ति होगी जिससे धन एवं विलास संबंधी वस्तुओं में न्यूनता नहीं आएगी तथा सामान्य जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

स्वास्थ्य

Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं दोनों एक ही नाड़ी में उत्पन्न हुए है। अतः सामान्य दृष्टि से उन्हें नाड़ी दोष होना चाहिए लेकिन वे एक ही नक्षत्र के अलग अलग चरणों में पैदा हुए है अतः यह दोष समाप्त हो जाता है परन्तु मंगल का दोनों के स्वास्थ्य पर प्रभाव रहेगा। अतः इसे Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं गर्मी या पित संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। ज्ञतपजपबं को स्त्रीजन्य गुप्त रोगों संभावना रहेगी जबकि Yashodhan Ravindra हृदय संबंधी समस्याओं से परेशान रहेंगे। साथ ही संभोग शक्ति की शिथिलता भी दृष्टिगोचर होगी। अतः उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता करने के लिए Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं दोनों को हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के नियमित उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में ज्ञतपजपबं के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन ज्ञतपजपबं को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में ज्ञतपजपबं को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Yashodhan Ravindra और ज्ञतपजपबं का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

ज्ञतपजपबं के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही ज्ञतपजपबं यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में ज्ञतपजपबं को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार ज्ञतपजपबं को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

ससुराल-श्री

Yashodhan Ravindra के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Yashodhan Ravindra अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Yashodhan Ravindra का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Yashodhan Ravindra का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Yashodhan Ravindra तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Yashodhan Ravindra के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।